jx p;u lEcU/kh i'ukoyh

lkekU; tkudkjh

नाम : .....

आयु : .....

धर्म : .....

शैक्षिक स्तर : .....

व्यवसाय : .....

पता : .....

funsZ'k

मैं शैलजा राठौर ''विभिन्न आयु लिंग व जन्मक्रम के व्यकितयों की रंग प्राथमिकता पर उनके व्यक्तित्व के प्रभाव का अध्ययन'' पर शोध कार्य कर रही हूँ। आपका सहयोग ही मेरे उद्देश्य को सफल बना सकता है। अतः आप प्रत्येक प्रश्न का उचित उत्तर दें विश्वास रखें आपसे सबन्धित समस्त जानकारी गोपनीय रखी जाएगी।

मैं व्यक्तिगत रूप से सदैव आपकी आभारी रहूँगी।

[k.M&^v*

1. क्या आपको लगता है रंगों के बिना जीवन अधूरा है।

   (अ) हाँ (ब) कभी–कभी (स) नहीं

2. जीवन में रंगों का एक विशेष स्थान है इस बात से सहमत हैं

   (अ) हाँ (ब) कभी–कभी (स) नहीं

3. क्या आयु के अनुसार रंग की पसंद बदलती रहती है–

   (अ) हाँ (ब) कभी–कभी (स) नहीं

4. एक ही रंग को लेना महिला एवं पुरुषों की अलग–अलग प्राथमिकता होती है–

(अ) हाँ (ब) कभी–कभी (स) नहीं

5. क्या रंग प्रतिष्ठा एवं सम्मान का सूचक ही मानते हैं–

(अ) हाँ (ब) कभी–कभी (स) नहीं

6. विभिन्न जन्मक्रम के लोग अलग–अलग रंग प्राथमिकता रखते हैं–

(अ) हाँ (ब) कभी–कभी (स) नहीं

7. क्या भिन्न–भिन्न व्यक्तित्व भिन्न–भिन्न रंग पसन्द करते हैं–

(अ) हाँ (ब) कभी–कभी (स) नहीं

8. रंग प्राथमिकता पर व्यक्तित्व का प्रभाव पड़ता है–

(अ) हाँ (ब) कभी–कभी (स) नहीं

9. प्रौढ़ावस्था में रंग प्राथमिकता में सर्वाधिक बदलाव आता है –

(अ) हाँ (ब) कभी–कभी (स) नहीं

10. क्या दो व्यक्तियों की एक रंग को लेकर अलग–अलग सोच होती है–

(अ) हाँ (ब) कभी–कभी (स) नहीं

11. रंग भी फैशन के अनुसार प्रचलन में रहते हैं–

(अ) हाँ (ब) कभी–कभी (स) नहीं

12. रंग प्राथमिकता पर आयु लिंग व जन्मक्रम का प्रभाव पड़ता है–

(अ) हाँ (ब) कभी–कभी (स) नहीं

13. मौसम के अनुसार रंग का चयन बदलता रहता है–

(अ) हाँ (ब) कभी–कभी (स) नहीं

14. क्या व्यक्ति एक रंग उपयोग करके बोर हो जाता है–

(अ) हाँ (ब) कभी–कभी (स) नहीं

15. शीत ऋतु में आप किस रंग को प्राथमिकता देंगे ?

(अ) हाँ (ब) कभी–कभी (स) नहीं

16. ग्रीष्म ऋतु में किस रंग को प्राथमिकता देंगे ?

(अ) हाँ (ब) कभी–कभी (स) नहीं

17. क्या आप अपनी रंग प्राथमिकता के सर्वश्रेष्ठ मानते हैं–

(अ) हाँ (ब) कभी–कभी (स) नहीं

18. क्या पहनने वाले रंग व घर में उपयोग करने वाले रंग के चुनाव में अन्तर पाया जाता है–

(अ) हाँ (ब) कभी–कभी (स) नहीं

19. क्या अवसर के अनुसार रंगों के प्राथमिकता में परिवर्तन आना जरूरी है ?

(अ) हाँ (ब) कभी–कभी (स) नहीं

20. क्या किसी एक रंग विशेष में जिसमें आप रूचि रखते हैं उस ओर आपका हमेशा झुकाव रहता है ?

(अ) हाँ (ब) कभी–कभी (स) नहीं

●●●

T. M. No. 458715

Dr. P. F. Aziz *(Meerut)*
Dr. Rekha Gupta *(Meerut)*

Consumable Booklet
of

I E I

(Hindi Version)

कृपया निम्न सूचनाएँ भरिये :—

नाम ..... आयु .....

लिंग ..... शिक्षा/कक्षा .....

व्यवसाय ..... मासिक आय .....

निर्देश

आगे के पृष्ठों पर कुछ कथन दिए हुए हैं। प्रत्येक कथन में उन बातों का उल्लेख है जो आप अपने दैनिक जीवन में अनुभव करते हैं और व्यवहार में लाते हैं। इन कथनों का सम्बन्ध आपकी बुद्धि परीक्षा से नहीं, वरन् कुछ तथ्यों की जाँच से है। प्रत्येक कथन के सामने 'हाँ' और 'नहीं' लिखा है आपको इन दोनों में से किसी एक के नीचे सही (√) का निशान लगाना है। ध्यान रहे कि कोई उत्तर सही या गलत नहीं है। यदि कथन में लिखी बात आपके सम्बन्ध में सत्य है तो 'हाँ' के नीचे वाले खाने ☐ में सही (√) का निशान लगा दीजिए और असत्य है तो 'नहीं' के नीचे वाले खाने ☐ में सही (√) का निशान लगा दीजिए। आपके उत्तर पूर्ण रूप से गुप्त रखे जायेंगे, अतः आप निःसंकोच उत्तर दें। समय का बन्धन नहीं है परन्तु यथाशीघ्र समाप्त करने का प्रयास करें।

प्रत्येक प्रश्न के सम्बन्ध में आपको अपनी राय देनी है। कृपया शीघ्रता से उत्तर देवें।

Estd. 1971
✆ (0562) 364926
NATIONAL PSYCHOLOGICAL CORPORATION
4/230, KACHERI GHAT, AGRA – 282 004 (INDIA)

© 2002. All rights reserved. Reproduction in any form is a violation of Copyright Act
Introversion Extroversion Inventory (I E I) Hindi Version

कथन	हाँ	नहीं
01. अपरिचित व्यक्ति से बहुत जल्दी जान-पहचान कर लेते हैं ।	☐	☐
02. अकेले रहना बहुत बुरा लगता है ।	☐	☐
03. दूसरों की कही हुई छोटी-छोटी बातें हृदय को चुभ जाती हैं ।	☐	☐
04. केवल कुछ गिने-चुने व्यक्तियों से ही जान-पहचान रखना पसन्द करते हैं ।	☐	☐
05. भाव-दशा (Mood) में बहुत जल्दी-जल्दी परिवर्तन होता है ।	☐	☐
06. समाज को नया रूप देने के लिए प्रयत्नशील रहते हैं ।	☐	☐
07. बातें करना बहुत अच्छा लगता है ।	☐	☐
08. अधिकतर प्रसन्नचित्त रहते हैं ।	☐	☐
09. बहुत अधिक सोचते हैं ।	☐	☐
10. बिना हिचकिचाहट जनता के सामने अपने भावों को प्रकट कर देते हैं ।	☐	☐
11. बहुत जल्दी ही निराश हो जाते हैं ।	☐	☐
12. अधिकतर बिना सोचे-विचारे तत्क्षण कार्य करना चाहते हैं ।	☐	☐
13. आत्म-विश्वास रखते हैं ।	☐	☐
14. छुट्टियाँ किसी शान्त स्थान पर बिताना पसन्द करते हैं ।	☐	☐
15. जनता के बीच बोलने में कठिनाई होती है ।	☐	☐
16. दूसरों के प्रति सहानुभूति प्रदर्शित कर लेते हैं ।	☐	☐
17. अधिकतर एकान्त में रहना पसन्द करते हैं ।	☐	☐
18. दूसरों पर विश्वास रखते हैं ।	☐	☐
19. सामाजिक उत्सवों में जाने की अपेक्षा घर पर ही रहना पसन्द करते हैं ।	☐	☐
20. दूसरे व्यक्तियों के साथ का आनन्द लेने के लिए सामाजिक समारोहों में जाते हैं ।	☐	☐

कथन	हाँ	नहीं
21. अपनी सुख-दुःख आदि की भावनाओं को भली प्रकार से व्यक्त कर सकते हैं ।	☐	☐
22. अधिकतर शान्त रहना पसन्द करते हैं ।	☐	☐
23. किसी कार्य को करने से पहले बहुत सोच-विचार करते हैं ।	☐	☐
24. अपने संवेगों जैसे प्रसन्नता, दुःख को अधिकतर तुरन्त व्यक्त कर देते हैं ।	☐	☐
25. दूसरों से सहानुभूति रखते हैं ।	☐	☐
26. यदि कोई जरा सी भी आलोचना करे तो उससे दुःखी हो जाते हैं ।	☐	☐
27. अधिकतर परिस्थितियों के अनुरूप व्यवहार करते हैं ।	☐	☐
28. अपने जीवन-यापन की विधि में परिवर्तन नहीं करना चाहते हैं ।	☐	☐
29. कभी-कभी अपने विचारकों या प्रेरकों का विश्लेषण करते हैं ।	☐	☐
30. प्रत्येक परिस्थिति में सन्तुष्ट रहते हैं ।	☐	☐
31. अधिकतर अपने में ही खोये रहते हैं ।	☐	☐
32. अपने मतों में आसानी से परिवर्तन कर लेते हैं ।	☐	☐
33. बहुत जल्दी ही किसी पर विश्वास कर लेते हैं ।	☐	☐
34. अब से कई साल बाद क्या करना है, उसके विषय में सोचते रहते हैं ।	☐	☐
35. सामूहिक कार्यों में अगुआ बनना पसन्द करते हैं ।	☐	☐
36. प्रायः घबड़ा जाते हैं ।	☐	☐
37. थोड़ी सी देर भी निठल्ले बैठना बुरा लगता है ।	☐	☐
38. अपने चारों ओर हो रहे वार्तालाप में सक्रिय भाग लेते हैं ।	☐	☐
39. अपरिचित व्यक्ति से बातचीत प्रारम्भ करने में कठिनाई होती है ।	☐	☐
40. धन को व्यय करने की अपेक्षा बचाना अधिक पसन्द करते हैं ।	☐	☐

4

कथन	हाँ	नहीं
41. व्यवहार कुशलता पसन्द करते हैं ।	☐	☐
42. कार्य करते समय दूसरों का देखना अच्छा नहीं लगता ।	☐	☐
43. हर समय आदर्शों के अनुरूप व्यवहार करते हैं ।	☐	☐
44. सामाजिक कार्य में नेतृत्व करना पसन्द करते हैं ।	☐	☐
45. जिस कार्य को बहुत अच्छी तरह से करते हैं, उसे करते समय चाहते हैं कि अन्य व्यक्ति भी उसे देखें ।	☐	☐
46. बहुत ज्यादा चिन्तन करते हैं ।	☐	☐
47. एक तरह के कार्य से बहुत जल्दी ऊब जाते हैं ।	☐	☐
48. अपने विषय में चिन्तन-मनन करना नापसन्द करते हैं ।	☐	☐
49. किसी विषय में कार्य करने में बहुत अधिक सावधानी बरतते हैं ।	☐	☐
50. बाहर दूसरे व्यक्तियों की संगति में अधिकतर चुप रहते हैं ।	☐	☐
51. विरोधी विचार रखने वाले व्यक्तियों से भी मेल-जोल रखते हैं ।	☐	☐
52. सारे समय एक तरह के कार्य करते रहते हैं ।	☐	☐
53. भविष्य में हो सकने वाली दुर्घटनाओं के विषय में चिन्तित रहते हैं ।	☐	☐
54. अधिकतर खिन्न (in low spirits) रहते हैं ।	☐	☐
55. कष्ट का सामना करने की अपेक्षा अधिकतर उससे बचने का प्रयत्न करते हैं ।	☐	☐
56. जब दूसरे व्यक्ति प्रशंसा करते हैं तो ज्यादा अच्छी तरह कार्य करते हैं ।	☐	☐
57. सामाजिक बैठक में देर से आकर भी सबसे आगे बैठने चले जाते हैं ।	☐	☐
58. वास्तविक जगत से दूर रहकर अधिकतर काल्पनिक संसार में खोए रहते हैं ।	☐	☐
59. मामूली विषय पर भी निर्णय बहुत सोच-विचार कर लेते हैं ।	☐	☐
60. हर चीज की बारीकियों (details) पर ध्यान देने की आदत है ।	☐	☐

ग्वालियर (नगर निगम) वार्डों की सूची

वार्ड क्रमांक	वार्ड का नाम	वार्ड क्रमांक	वार्ड का नाम
1	गरगज वार्ड	31	वीरांगना लक्ष्मीबाई वार्ड
2	सिंधिया नगर वार्ड	32	संत रविदास वार्ड
3	शब्द प्रताप आश्रम वार्ड	33	राजीव नगर वार्ड
4	कोटेश्वर वार्ड	34	तिलक वार्ड
5	शहीद भानु स्वरूप दुबे वार्ड	35	लाला लाजपतराय वार्ड
6	मंगलेश्वर वार्ड	36.	महात्मा गाँधी वार्ड
7	इंदिरा नगर वार्ड	37.	संजय कॉम्पलेक्स वार्ड
8	माध्वी नगर वार्ड	38.	महादजी सिंधिया वार्ड
9	काशी नरेश वार्ड	39.	हरिदर्शन वार्ड
10	तामेश्वर वार्ड	40	अचलेश्वर वार्ड
11	चन्द्रशेखर वार्ड	41	लोहिया वार्ड
12	सुभाष नगर वार्ड	42	मैथलीशरण वार्ड
13	स्वामी दयानंद वार्ड	43	शहीद अमरचंद वाठिया वार्ड
14	सेवा नगर वार्ड	44	संत झूलेलाल वार्ड
15	संगीत सम्राट तानसेन वार्ड	45	उस्ताद हाफिज अली खाँ वार्ड
16	श्रमिक वार्ड	46	तात्या टोपे वार्ड
17	क्षत्रपति शिवाजी वार्ड	47	ढोलीबुआ महाराज मठ वार्ड
18	कबीर वार्ड	48	अंबेडकर वार्ड
19	केप्टन रूपसिंह वार्ड	49	महात्मा ज्योतिवा फुले वार्ड
20	स्वामी विवेकानन्द वार्ड	50	डॉ. हरि रामचन्द्र दिवेकर वार्ड
21	शांति निकेतन वार्ड	51	शहीद हेमू कालानी वार्ड
22	लाल बहादुर शास्त्री वार्ड	52	पंडित कृष्णराव शंकर पडित वार्ड
23	द्वारिकाधीश वार्ड	53	अशफाक उल्ला खाँ वार्ड
24	पंचशील वार्ड	54	जगजीवन राम वार्ड
25	महाराणा प्रताप वार्ड	55	शहीद केप्टन गोरे वार्ड
26	शहीद भगत सिंह वार्ड	56	मैजर करतार सिंह वार्ड
27	डॉ. हरिहर निवास द्विवेदी वार्ड	57	मंसूर शाह दाता वार्ड
28	श्यामलाल पाण्डवीय वार्ड	58	जवाहर नगर वार्ड
29	पंडित रविशंकर शुक्ल वार्ड	59	भीकम चन्द जैन वार्ड
30	डॉ. राजेन्द प्रसाद वार्ड	60	मकबूल अहमद वार्ड

उपरोक्त वार्डों की जानकारी मध्य प्रदेश राजपत्र (असाधारण) प्राधिकार से प्रकाशित क्रमांक 7601, भोपाल, शुक्रवार दिनांक 19 अगस्त, 1994 श्रावण 28, शके 1916 स्थानीय शासन विभाग, मंत्रालय, वल्लभ भवन, भोपाल से ली गयी है

P: ISSN NO.: 2321-290X RNI : UPBIL/2013/55327 VOL-4* ISSUE-8* April- 2017
E: ISSN NO.: 2349-980X **Shrinkhla Ek Shodhparak Vaicharik Patrika**

विभिन्न व्यक्तियों की आयु के अनुसार रंग प्राथमिकता

शैलजा राठौर
शोध छात्रा,
गृह विज्ञान विभाग,
कमलाराजा कन्या
स्वा. महाविद्यालय
ग्वालियर, म.प्र.

सुनीता शर्मा
सहायक प्राध्यापक,
गृह विज्ञान विभाग,
कमलाराजा कन्या
स्वा. महाविद्यालय,
ग्वालियर, म.प्र.

ज्योति प्रसाद
सेवा निवृत प्राचार्य,
गृह विज्ञान विभाग,
विजया राजे कन्या मुरार
कॉलेज, ग्वालियर, म.प्र.

सारांश

बदलते भौतिक परिवेश में सभी आयु वर्ग के व्यक्ति भिन्न–भिन्न रंगों को प्राथमिकता देते है यह बात सार्थक सिद्ध होती है कि आयु, रंग प्राथमिकता को प्रभावित करने वाला एक मुख्य कारक है।

तालिका अवलोकन से स्पष्ट होता है कि सभी परिकल्पनायें सार्थक सिद्ध हुई है और शोधार्थी द्वारा किया गया प्रयास सफल सिद्ध हुआ है। जिसमें कि परिकल्पनायें निष्कर्ष के सापेक्ष है। तथा अपनी शोध के आधार पर शोधार्थी पुष्टि करती है की रंग प्राथमिकता को प्रभावित करने वाला मुख्य कारक है आयु।

मुख्य शब्द : परिकल्पनायें, आँखे, प्राथमिकता

प्रस्तावना

मनुष्य के जीवन में प्रकति का प्रमुख स्थान है और प्रकति ने हमें प्रदान किये है खूबसूरत रंग, ये रंग हमें सम्पूर्णता प्रदान करते है किसी वस्तु को देखने का माध्यम हमारी आँखे है और आँखों का माध्यम है रंग अगर रंग न होत तो हमारा जीवन, ये धरती और आसमान सब सूना होता किसी की पहचान ही नहीं की जा सकती थी।

यही कारण है कि आज जीवन रंगों के बिना अधूरा है ये अधूरापन पूरा करने के लिये प्रकति ने हमें रंग प्रदान किये है और कुछ रंगो का हमने अविष्का किया है। इन दोनो को मिला कर हम अपने आस पास की दुनिया और घर को सजाते है।

मनुष्य ने रंगो की उत्पत्ति एवं उनके नियम को वैज्ञानिक ढंग से सिद्ध किया हमारे हर कार्य में रंगो का निष्पादन आवश्यक हो गया है चाहे हम कार्य के किसी भी क्षेत्र में संबंध रखते हों प्रत्येक व्यक्ति चाहे यो बच्चा हो छोटा हो या बूढ़ा रंग से सभी प्रेम करते है हम सही रंग के चुनाव के लिये बचपन से ही जागरूकता उतपन्न करते है जेसे एक लाल खिलोना बच्चे के लिये आकर्षक का केन्द्र होता है उसी प्रकार जब हम वस्त्रों का चुनाव करते तब हम रंगो के बारे में काफी सोच समझ कर चुनाव करते है साथ ही हम चिन्तित भी होते है क्यों कि ये रंग ही हमारे व्यक्तितव को दूसरों के सामने प्रदर्शित करते है।

रंग का भौतिक पहलू

हमने देखा है कि विभिन्न बस्तुयें एक प्रभाव उत्पन्न करती है, जब प्रकाश की तरंगें उस पर पड़ती है इनमें से वस्तु के प्रकार व रचना के अनुसार कुछ किरणें परावर्तित हो जाती है, कुछ आंशिक रूप से अवशोषित हो जाती है, कुछ किरणें वस्तुओं द्वारा प्रेषित हो जाती है। परावर्तित एवं प्रेषित किरणें, सीधे पड़ने वाले किरणों से भिन्न होती है वस्तु के स्वयं का रंग भी अन्य रंगो से प्रभावित होता है। रंगीन वस्तुऐं अपना शुद्ध रंग, दृष्टिगत सफेद रंग से अवशोषित करती है। जब प्रकाश किसी वस्तु पर पड़ता है तो, वस्तु अपना रंग, सफेद रंग के अवशोषण रहित क्षेत्र से ग्रहण करती है। सफेद प्रकाश के इन अवशोषित व अवशोषण रहित खेत्रों को आपस में एक दूसरे का अनुपूरक कहा जाता है। यह हमेशा रंग युग्मों के रूप में सक्रिय रहते है। इनकी व्यापक छाप हमें प्राकृतिक रूपों–जल, इन्द्र धनुष, जीव–जन्तुओं, पेड़–पौधौ आदि पर सूर्य का प्रकाश पड़ने पर स्पष्ट दिखाई देती है।

रंग प्राथमिकता में भिन्नता का कारण

प्रत्येक मनुष्य की रंग प्राथमिकता में भिन्नता पाई जाती है जिसके कारण अलग अलग हो सकते है शोधार्थी का मुख्य विषय रंग प्राथिमिकता में आयु का प्रभाव का अध्यन है।

अतः आयु एक प्रमुख कारक है रंग प्राथिमिकता में भिन्नता का।

उम्र दर उम्र बदलती पसंद मनुष्य के बदलते स्वभाव के कारण होती है। और यह स्वभाव उम्र के साथ बदलता रहता है। जैसे की हम जानते है बच्चे

P: ISSN NO.: 2321-290X RNI : UPBIL/2013/55327 VOL-4* ISSUE-8* April- 2017
E: ISSN NO.: 2349-980X **Shrinkhla Ek Shodhparak Vaicharik Patrika**

गहरे रंगों के प्रति आकर्षित होते है तथा किशोर उनके गहरे और हल्के दोनो रंग पसंद करते है, जब कि प्रौढ़ केवल हल्के रंग पसंद करते है

अतः इनकी रंग प्राथमिकता बदलने का कारण उनकी अवस्था में भिन्नता आना है

उद्देश्य

विभिन्न आयु के व्यक्तियों की रंग प्राथमिकता का अध्ययन करना।

1. विभिन्न बाल्यावस्था के बालक बालिकाओं की रंग प्राथमिकता का अध्ययन करना।
2. विभिन्न किशोरावस्था के किशोर किशोरिओं की रंग प्राथमिकता का अध्ययन करना।
3. विभिन्न प्रौढ़ावस्था के व्यक्तिओं की रंग प्राथमिकता का अध्ययन करना।

शोध पद्धति

शोध की प्रक्रिया क्रमबद्ध पद्धतियों से होकर गुजरती है जिसमें किसी एक उद्देश्य को लेकर विभिन्न तथ्यों का विश्लेषण कर वैज्ञानिक दृष्टिकोण से हल निकाला जाता है।

सामाजिक घटनाओं व समस्याओं के संबंध में नवीन ज्ञान की प्राप्ति के लिए व्यवस्थित अनुसंधान को हम सामाजिक शोध कहते है।

परिकल्पनायें

विभिन्न आयु के व्यक्तियों की रंग प्राथमिकता में सार्थक अंतर पाया जायेगा।

1. विभिन्न बाल्यावस्था के बालक बालिकाओं की रंग प्राथमिकता में सार्थक अंतर पाया जायेगा।
2. विभिन्न किशोरावस्था के किशोर किशोरिओं की रंग प्राथमिकता में सार्थक अंतर पाया जायेगा।
3. विभिन्न प्रौढ़ावस्था के व्यक्तिओं की रंग प्राथमिकता की रंग प्राथमिकता में सार्थक अंतर पाया जायेगा।

शोध विधि

प्रस्तुत शोध प्रबंध के विषय का चयन के पश्चात् शोधार्थी आवश्यक समंको तथा तथ्यो के संकलन की दृष्टि से विभिन्न महाविद्यालयो में स्थापित पुस्तकालय, विश्वविद्यालयो के पुस्तकालय तथा अन्य संस्थाओं के पुस्तकालयो से सम्पर्क स्थापित कर अपने शोध प्रबंध के उद्देश्यो से अवगत कराया तथा उन्हें विषय संबंधित जानकारी देने के लिये तैयार किया इसके अन्तर्गत रंग प्राथमिकता पर आयु के प्रभाव को अपने विषय से संबंधित साक्षत्कार व मुंशेल प्रणाली पर आधरित प्राथमिक व द्वितीयक रंग चार्ट में से अपना पसंदीदा रंग पसंद करने को कहा। इसके अनुसार शोधार्थी अपने विषय से संबंधित तथ्य संकलित किये।

तथ्य संकलन

सामाजिक शोध एक एसा प्रयास है जिसके द्वारा किसी विशेष लक्ष्य को सामने रख कर नये सिद्धान्त का निर्माण किया जाता है। अथवा वर्तमान दशाओं के अनतर्गत पुराने सिद्धान्तों की सत्यता को समझने का प्रयत्न किया जाता है।

शोधार्थी द्वारा विकसित की गई परीकल्पनाओं की निम्न तालिकायें प्रस्तुत की गई है।

तालिका–1

विभिन्न व्यक्तियों की आयु के अनुसार लाल रंग मे प्राथमिकता

आयु	व्यक्तियो की संख्या	प्रतिशत	कुल
बाल्यावस्था	42	42%	100
किशोरावस्था	33	33%	100
प्रोढावस्था	15	15%	100
कुल			300

तालिका–2

तालिका–2 विभिन्न व्यक्तियों की आयु के अनुसार पीले रंग मे प्राथमिकता

आयु	व्यक्तियो की संख्या	प्रतिशत	कुल
बाल्यावस्था	13	13%	100
किशोरावस्था	17	17%	100
प्रोढावस्था	32	32%	100
कुल			300

तालिका–3

तालिका–3 विभिन्न व्यक्तियों की आयु के अनुसार नीले रंग मे प्राथमिकता

आयु	व्यक्तियो की संख्या	प्रतिशत	कुल
बाल्यावस्था	17	17%	100
किशोरावस्था	07	07%	100
प्रोढावस्था	11	11%	100
कुल			300

तालिका–4

तालिका–4 विभिन्न व्यक्तियों की आयु के अनुसार हरे रंग मे प्राथमिकता

आयु	व्यक्तियो की संख्या	प्रतिशत	कुल
बाल्यावस्था	07	07%	100
किशोरावस्था	05	05%	100
प्रोढावस्था	07	07%	100
कुल			300

तालिका–5

तालिका–5 विभिन्न व्यक्तियों की आयु के अनुसार नारंगी रंग मे प्राथमिकता

आयु	व्यक्तियो की संख्या	प्रतिशत	कुल
बाल्यावस्था	07	07%	100
किशोरावस्था	07	07%	100
प्रोढावस्था	19	19%	100
कुल			300

P: ISSN NO.: 2321-290X RNI : UPBIL/2013/55327 VOL-4* ISSUE-8* April- 2017
E: ISSN NO.: 2349-980X **Shrinkhla Ek Shodhparak Vaicharik Patrika**

तालिका–6

तालिका–6 विभिन्न व्यक्तियों की आयु के अनुसार बैगनी रंग मे प्राथमिकता

आयु	व्यक्तियो की संख्या	प्रतिशत	कुल
बाल्यावस्था	07	07%	100
किशोरावस्था	07	07%	100
प्रोढावस्था	19	19%	100
कुल			300

तथ्यों का विश्लेषण

शोधार्थी द्वारा विकसित की गई परिकल्पनाओं में पहली परिकल्पना हैं कि विभिन्न आयु के व्यक्तियों की रंग प्राथमिकता में सार्थक अंतर पाया जायेगा, जो कि सार्थक सिद्ध हुई है शोधर्थी ने प्राथिमिक व द्वितियक दोनो रंगो को विषय में शामिल किया है जिसके अनुसार लाल, पीला, नीला, हरा, नारंगी, और बैगनी छः रंगों को प्रमुखता दी गई है।

प्रथम तालिका में विभिन्न आयु के व्यक्तियों की लाल रंग में प्राथमिकता को दर्शाया गया है।

जिसमें बाल्यवस्था में लाल रंग को सर्वाधिक प्राथमिकता दी गई उसके बाद किशोरावस्था में, सबसे कम प्रौणावस्था में प्राथमिकता दी गई

अतः तालिका अवलोकन से स्पष्ट होता है कि बाल्यावस्था में लाल रंग सर्वाधिक प्रसंद किया जाता है, उसके बाद नीला, पीला नारंगी, बैगनी, तथा सबसे कम हरा रंग पसंद किया गया।

इसी प्रकार किशेरावस्था में भी सवार्धिक लाल रंग पसंद किया गया। उसके बाद नारंगी, पीला, बैगनी, हरा, और नीला रंग पसंद किया गया।

इसी प्रकार प्रौणावस्था में सर्वाधिक पीला रंग पसंद किया फिर बैगनी, लाल, नारंगी, नीला, और सबसे कत हरे रंग को प्राथमिकता दी गई।

निष्कर्ष

तालिका अवलोकन से एवं तथ्य संकलन से यह स्पष्ट होता है कि गहरे रंग बच्चों की प्रमुख पसंद होते है इतना ही नहीं उर्म बढ़ने के साथ–साथ रंग प्राथमिकता में भिन्नता आती जाती है। किशोरावस्था में हल्के व गहरे दोनो रंग पसंद किये जाते है। जबकि प्रौणावस्था में गहरे रंग के शेड पसंद आते है। जैसा कि निष्कर्ष में निकला है पीले रंग के उपरंग क्रीम, बादामी, हल्का पीला, और लैमन पीला पसंद किया गया है।

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. अग्रवाल एवं पाण्डे सामाजिक शोध, आगरा बुक स्टोर, पृष्ठ–1।
2. चौधरी वेदवती एवं पाटनी मंजू, वस्त्र एवं परिधान, प्रकाशन, वस्त्र स्टार पब्लिशर्स।
3. पाटनी डॉ. मंजू शर्मा, डॉ. ललिता, ग्रहप्रबंध प्रकाशक, स्टार पब्लिकेशन्स।
4. हर रंग कुछ कहता है दैनिक भास्कर समाचार पत्र 2015।
5. शैरी डॉ. श्रीमती जी.पी. गृह–व्यवस्था एवं ग्रह कला, प्रकाशक, विनोद पुस्तक मंदिर आगरा।
6. "Color and Your Personality Define Your Choice"
Hindustan times news paper 2014
7. गुप्ता वी. एन. साख्यिकी साहित्य भवन, आगरा,
8. शर्मा, लाकेश्वरी एवं शर्मा चन्द्रकान्ता वस्त्र विज्ञान, एवं परिधान, स्वास्तिक प्रकाशन, अस्पताल मार्ग, आगरा,
9. शर्मा, डॉ. करूणा, ग्रहप्रबंधक एवं ग्रहराज्जा (पारिवारिक संसाधन प्रबंध) पब्लिशर्स

P: ISSN NO.: 2394-0344 RNI No.UPBIL/2016/67980 VOL-2* ISSUE-2* May- 2017
E: ISSN NO.: 2455-0817 *Remarking An Analisation*

रंग और आपका व्यक्तित्व

शैलजा राठौर
शोध छात्रा
गृह विज्ञान विभाग
कमलाराजा कन्या
स्वा. महाविद्यालय
ग्वालियर

सुनीता शर्मा
सहायक प्राध्यापक
गृह विज्ञान विभाग
कमलाराजा कन्या
स्वा. महाविद्यालय
ग्वालियर

ज्योति प्रसाद
सेवा निवृत प्राचार्य
गृह विज्ञान विभाग
विजया राजे कन्या मुरार
कॉलेज ग्वालियर

सारांश

रंग आपके व्यक्तित्व का अमूर्त दर्पण है जो कि रंग प्राथमिकता को स्वतः ही उजागर करते है। उपरोक्त परिणाम यह सिद्ध करते है कि रंगो का चुनाव आपके व्यक्तित्व का ही एक परिणाम है। भिन्न–भिन्न अवस्थाओ में हमारी प्राथमिकता बदलती रहती है और मनुष्य का अधिकाश व्यवहार फैशन से प्रभावित होता है।

मुख्य शब्द : व्यक्तित्व, प्राथमिकता, रंग, फैशन, उन्माद, संतुलन, चयन, प्रभावित, अध्ययन, शोधपद्धति, शोध, तथ्य संकलन, व्यवहार, बहुधंधी, सलीकेदार, निर्णायक, सादगी, परिधान, आत्मसात, कुशलता, भडकीले, मनोशारीरिक, अपूर्व, समयोजन, विचारधारा, अंर्तमुखी, बहुमुखी, उभयमुखी, प्रदर्शन, दार्शनिक।

प्रस्तावना

रंगो से जुड़कर एक ओर जहां आपका व्यक्तित्व बाहरी दुनिया में निर्णायक मोड़ लेता है, वही दूसरी ओर उसके माध्यम से आपका भीतरी संसार भी परिभाषित होता है। यही कारण है कि बहुधंधी क्षेत्र में व्यस्त तथा सफलतम व्यक्ति रंगों का चुनाव बिल्कुल ऐसे करते है जैसे किसी अपने मित्र का चयन।

रंग आपके खूबसूरत व्यक्तित्व का दर्पण ही नहीं सुरूचि और सलीकेपन का प्रतीक तथा आपकी पहचान के साधन भी है। यदि आप स्वयं को गंभीर और दूसरे की नजर में सलीकेदार सिद्ध करना चाहते है तो आंखो में चुभने वाले चटख भडकीले व शोख रंगों का चुनाव कभी भी न करें। दूसरों की नकल, फैशन की होड़ या दूसरों की पसंद के मुताबिक रंगों का चयन कई बार भारी दिक्कतें खड़ी कर देते है। इस चयन से आपकी मानसिकता ओर परिवेश के प्रति सजगता का भी प्रदर्शन होता है।

शांत व सौम्य रंग जहां आपकी सादगी और जीवन के प्रति गभीरता को दर्शायेगे ओर दुसरो के उपर प्रभवी असर छोड़ जायेगे। अतः जहां तक संभव हो अपने परिधानों में रंगा की फौज खड़ी न करें वरन् सादे सुरूचिपूर्ण रंगो को ही महत्व दें। फैशन की रफ्तार के साथ–साथ अपने लिबासों की शैली आधुनिक दिखने के लिये अवश्य बदलें परन्तु रंगों का दामन न छोड़े और न ही फूहड रंगों की गिरफ्त में उलझें।

महिला व पुरूषों की एक रंग को लेकर समान सोच नही होती और ऐसा होना स्वाभाविक भी है। क्यों कि दोनो के व्यक्तित्व में भिन्नमा पाई जाती है महिलाऐं जहां भड़कीले रंग पसंद करती है, पुरूष हल्के रंग पसंद करते है। क्यों कि दोनो अलग अलग क्षेत्र के स्वांमी होते है।

व्यक्ति का व्यक्तित्व रंगो के चुनाव से प्रभावित होता है, मनुष्य अपने व्यक्तित्व को निजी छवी और शक्ति पहचान ने की क्षमता रखता है खुद के बारे में आपकी जितनी गहरी समझ होगी उतनी ही कुशलता से आप दूसरों के समक्ष अपने व्यक्तित्व को प्रकट कर सकेगें। रंगो के चुनाव है परिवेश के अहम भूमिका होती है क्यों कि हम अपने आस पास के परिवेश से ही रंगो को आत्मसात करते है।

व्यक्तित्व

आलपोर्ट के अनुसार

"व्यक्तित्व व्यक्ति के मनोशारीरिक स्वरूपों का यह गव्यात्मक संगठन है जो उसके वातावरण के अपूर्व समायोजन को निर्धारित करता है।"

वुडवर्ड के अनुसार

"व्यक्तित्व व्यक्ति के सम्पूर्ण व्यवहार की विशेषता है जिसका प्रदर्शन उसके विचारों की आदत व्यक्त करने के ढ़ग, अभिवृत्ति तथा रूचि, कार्य करने के ढ़ग तथा जीवन के प्रति उसकी दार्शनिक विचारधारा के रूप में परिभाषित किया जाता है।"

P: ISSN NO.: 2394-0344 RNI No.UPBIL/2016/67980 VOL-2* ISSUE-2* May- 2017
E: ISSN NO.: 2455-0817 *Remarking An Analisation*

व्यक्तित्व के प्रकार

व्यक्तित्व मुख्यता तीन प्रकार के होते है

1. अंर्तमुखी
2. बहुमुखी
3. उभयमुखी

जो व्यक्ति अपनी बात साधारण रूप से सबके सामने प्रस्तुत नही कर पाते और स्वंय के प्रदर्शन को छुपाते है ऐसे व्यक्ति अंर्तमुखी व्यक्तित्व के होते है।

खुल कर सबके सामने हंसना बोलना और अपनी बात सबको खुलकर बताना ऐसे व्यक्ति बहुमुखी व्यक्तित्व के स्वामी होते है।

जो दिल में कुछ और रखते है और चेहरे पर कुछ और ना सबको अपनी बात बताते है न सबसे छुपाते है ऐसे व्यक्ति उभयमुखी व्यक्तित्व के स्वामी कहे जाते है।

उद्देश्य

1. विभिन्न व्यक्तियों के व्यक्तित्व और उनकी रंगी प्राथमिकता का अध्यन करना
   - A- विभिन्न अंर्तमुखी व्यक्तियों की रंग प्राथमिकता का अध्यन करना
   - B- विभिन्न बहुमुखी व्यक्तियों की रंग प्राथमिकता का अध्यन करना
   - C- विभिन्न उभयमुखी व्यक्तियों की रंग प्राथमिकता का अध्यन करना

शोध पद्धति

सामाजिक शोध कैसा भी हो उसके लिये वैज्ञानिक प्रविधियों का प्रयोग करना आवश्यक है सामाजिक घटनाओं का जब तक वैज्ञानिक दृष्टिकोण से परीक्षण नसहीं होगा तब एसे शोध का दर्जा नहीं दिया जा सकता है। सामाजिक शोध एक जटिल प्रक्रिया है।

शोधार्थी को समस्या का चयन करने के तुरन्त बाद उससे संबंधित कुछ निश्चित परिकल्पनाओं के उद्देश्यों की बावश्यकता होती है। जब हमारे उद्देश्य हमारी समस्याओं से संबंधित हमारे उत्तर की धारण विकसित कर लेते है तब हमारे सही उद्देश्य परिकल्पना कहलाते है।

परिकल्पनायें

1. विभिन्न व्यक्तियों के व्यक्तित्व में सार्थक अंतर पाया जावेगा
2. विभिन्न व्यक्तियों के व्यक्तित्व और उनकी रंग प्राथमिकता में सार्थक अंतर पाया जावेगा
   - A- विभिन्न अंर्तमुखी व्यक्तियों की रंग प्राथमिकता में सार्थक अंतर पाया जावेगा
   - B- विभिन्न बहुमुखी व्यक्तियों की रंग प्राथमिकता में सार्थक अंतर पाया जावेगा
   - C- विभिन्न उभयमुखी व्यक्तियों की रंग प्राथमिकता में सार्थक अंतर पाया जावेगा

तथ्य संकलन

शोधार्थी द्वारा कुल 300 सभी उर्म की महिला पुरूषों का चयन करने के पश्चात स्वनिर्मित प्रश्नावली द्वारा भरांक के फल स्वरूप तथ्यों का विश्लेषण किया गया जिसके अंर्तगत सभी प्रकार के व्यक्तित्व शामिल किये गये है।

कुल 300 व्यक्तियों के व्यक्तित्व अनुसार तालिका

आयु	अंर्तमुखी	बहुमुखी	उभयमुखी	योग
पुरूष	40	27	83	150
महिला	66	50	34	150

विभिन्न व्यक्तियों और उनकी रंग प्राथमिकता की तालिका

व्यक्तित्व एव व्यक्ति	लाल	पीला	नीला	हरा	नारंगी	बैगनी	योग
अंर्तमुखी	7	25	42	19	12	15	106
बहुमुखी	24	16	5	09	13	10	77
उभयमुखी	30	19	29	14	8	17	117
							300

तथ्यों का विश्लेषण

सांख्कीय परिकल्पना का परीक्षण एक ऐसी प्रकिया होती है, जिससे यह निर्णय लिया जा सके कि शोध कार्य में प्राप्त प्रतिदर्श मानो के आधार पर परिकल्पना को स्वीकार किया जा सकता है या अस्वीकार, उस परिकल्पना को जिसका परीक्षण यह मान कर किया जाता है कि यह सत्य है, शून्य परिकल्पना कहते है।

शोधार्थी द्वारा कल्पित की गई परिकल्पनाओ में माना गया कि व्यक्तित्व और रंग प्राथमिकता मे अंतर पाया जावेगा।

तालिका क्रंमाक 1 को देखने पर स्पष्ट होता है कि विभिन्न व्यक्तियो के व्यक्तित्व में भिन्नता पाई जाती है। जिसमे कि सर्वाधिक बहुमुखी व्यक्तित्व के व्यक्ति पाये गये।

तालिका क्रंमाक 2 के अवलोकन से यह बात स्पष्ट होती है कि विभिन्न व्यक्तियो के व्यक्तित्व और रंग प्राथमिकता में भिन्नता पाई गयी।

शोधार्थी ने पाया कि अर्न्तमुखी व्यक्तियो ने सर्वाधिक नीले रंग को प्राथमिकता दी है। उसके बाद पीले को फिर हरे रंग को, बैगनी, नारंगी व सबसे कम लाल रंग को पसंद किया।

जबकि इसके विपरीत बहुमुखी व्यक्तित्व के व्यक्तियो ने सर्वाधिक लाल रंग को प्राथमिकता दी। उसके बाद पीले को फिर नारंगी, बैगनी, हरा व सबसे कम नीले रंग को प्राथमिकता दी।

तालिका अवलोकन से यह स्पष्ट है कि उभयमुखी व्यक्ति सर्वाधिक पाये जाते है। जिसमे कि लाल रंग को अधिक प्राथमिकता देते है। और क्रमशः नीला, पीला,बैगनी,हरा व सबसे कम नारंगी रंग को प्राथमिकता देते है।

हम कह सकते है कि रंग का चुनाव आपके व्यक्तित्व से प्रायाभित होता है मनुष्य का व्यवहार, उसका चरित्र ओर उसका रहन सहन बाहिरी परिवेश से मिलकर बनता है।

भले ही आप कभी विपरीत परिस्थिती में अनचाहे रंग का चुनाव कर ले परन्तु यह आपके व्यक्तित्व को मेल नही खायेगा। और आप अपेक्षित महसूस करेगे।

P: ISSN NO.: 2394-0344 RNI No.UPBIL/2016/67980 VOL-2* ISSUE-2* May- 2017
E: ISSN NO.: 2455-0817 *Remarking An Analisation*

निष्कर्ष

जैसे– परिधान, वेशभूषा, फर्नीचर, मकान की मरम्मत, जेवर साथ ही चलना, बैठना, भाव भंगिता दिखलाना आदि भी फैशन से प्रभावित होते है। फैशन अत्यन्त परिवर्तनशील है, और मनुष्य हमेशा फैशन का अनुसरण करता है और उसके पीछे दौड़ता है।

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. Dr. V. N. Rao, Human Development and Research Agra Prakasan Agra
2. E.Coff: The Design of Social Research 1969
3. Coren,- Stanley, Harland, Renate-E, Personality correlates of Variations in Visual and auditory abilities
4. अग्रवाल एवं पाण्डेय: सामाजिक शोध, आगरा बुक स्टोर
5. बटालिया श्रीमती संतोष, परिधान, एज ऑफ एनलाइटमेंट पब्लिकेशन 50,
6. बघेल डी.एस. सामाजिक अनुसंधान साहित्य भवन, पब्लिकेशर्स एण्ड डिस्ट्रीब्यूटर्स
7. डॉ. कमला वर्मा, वस्त्र विज्ञान एवं परिधान
8. गुप्ता बी.एन. साख्यिकी साहित्य भवन, आगरा
9. व्यक्तित्व विज्ञान H.L.Golotiya Univercity of Chennai